कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़ में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

दिनांक 5 जून 2021 को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) के उत्तरकाशी जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया |

कार्यक्रम की शुरुआत केन्द्र परिसर के आस पास वृक्षारोपण कर की गयी जिसके तहत कचनार एवं आवलें के पौधों का रोपण किया गया |

इसके बाद एक आनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी शुरुआत केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ चित्रांगद सिंह राघव द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस को मनाये जाने के कारण एवं इसकी महत्ता को बताने के साथ की गयी जिसमें उन्होनें पर्यावरण को बचाने, पर्यावरण प्रदूषण को रोकने एवं पारिस्थिकी तंत्र को सहेज कर रखने पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया | कार्यक्रम में जुड़े समस्त अतिथियों एवं कृषकों को संबोधित करते हुए उन्होनें बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत साल 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम से की गयी थी एवं इसी दिन यहां पर दुनिया का पहला पर्यावरण सम्मेलन भी आयोजित किया गया था जिसमें भारत की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा प्रतिभाग किया गया था | उन्होनें बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2021 की थीम 'पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली है और हम सब मिलकर पर्यावरण प्रदूषण को रोककर जंगलों को नया जीवन दे सकते है साथ ही पेड़-पौधे लगाकर, बारिश के पानी को संरक्षित कर और तालाबों के निर्माण कर हम पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से रिस्टोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं | कार्यक्रम में आनलाइन माध्यम से जुड़े रिलायंस फाउंडेशन के परियोजना निदेशक श्री कमलेश गुरुरानी द्वारा जल संरक्षण एवं प्रकृति को सहेज कर रखने के बारे में बताया | अपनी बात रखते हुए उन्होनें कहा कि पेड़ लगाना पर्यावरण की देखभाल के सबसे आसान और सर्वोत्तम तरीकों में से एक है | कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ पंकज नौटियाल ने बताया कि जंगलों में जंगली फल वृक्षों का रोपण कर जंगली जानवरों द्वारा हमारी फसलों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है और इस प्रकार हम पारिस्थितिक श्रृंखला को बरकरार रख नाजुक दौर से गुजर रहे पर्यावरण को संरक्षित कर महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं |

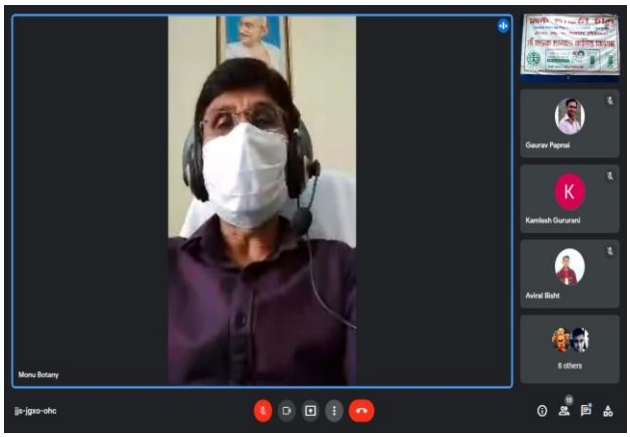

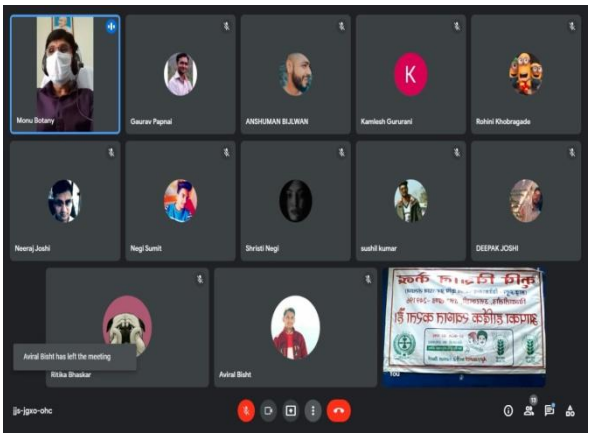

कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि प्रसार डॉ गौरव पपनै द्वारा किया गया | इस दौरान बैठक में केंद्र के नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे , वरुण सुप्याल, ख्याली राम, रीतिका भास्कर समेत क्षेत्र के कई प्रगतिशील कृषक मौजूद रहे |